



Neeraj Joshi



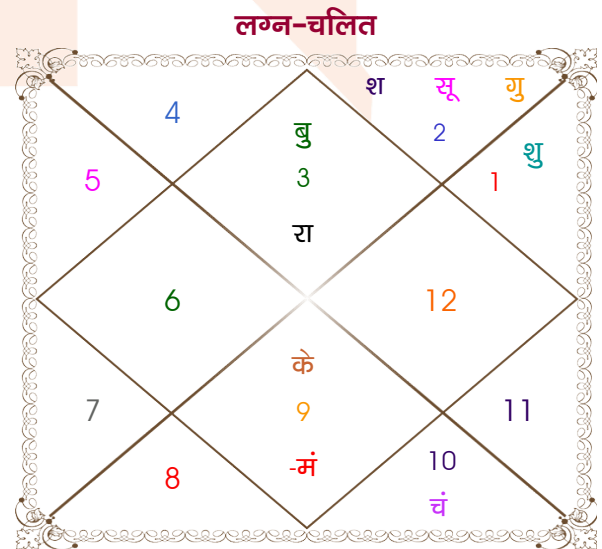
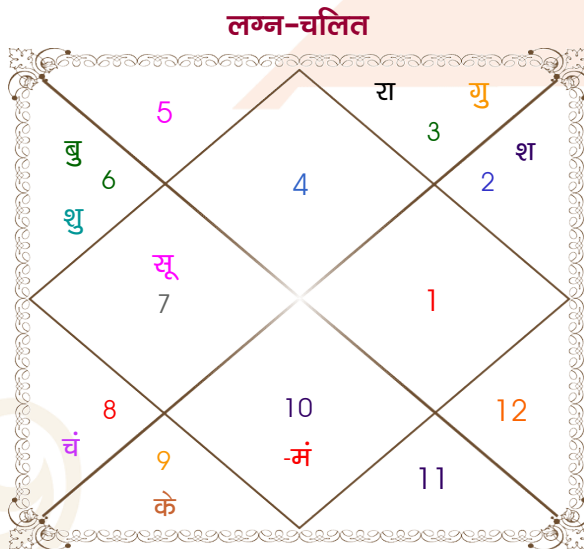
Pooja Joshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119408211

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 19-20/10/2001 : _____ जन्म तिथि _____ 10/06/2001
 शुक्र-शनिवार : _____ दिन _____ रविवार _____
 घंटे 00:56:00 : _____ जन्म समय _____ 07:10:00 घंटे
 घटी 46:22:47 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 04:34:51 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Meerut : _____ स्थान _____ Almora
 29:00:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 29:36:00 उत्तर
 77:42:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 79:40:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:19:12 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:11:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:22:53 : _____ सूर्योदय _____ 05:10:46
 17:44:14 : _____ सूर्यास्त _____ 19:10:51
 23:52:37 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:52:20

विंशोत्तरी शनि 6वर्ष 4मा 23दि केतु 14/03/2025 13/03/2032		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 9वर्ष 4मा 27दि राहु 06/11/2017 07/11/2035	
केतु	10/08/2025	20:37:39	कर्क	लग्न	मिथु	21:35:55	राहु	20/07/2020
शुक्र	10/10/2026	02:35:58	तुला	सूर्य	वृष	25:22:57	गुरु	13/12/2022
सूर्य	15/02/2027	12:10:37	वृश्चि	चंद्र	मक	10:47:13	शनि	19/10/2025
चन्द्र	16/09/2027	00:46:31	मक	मंगल व	धनु	00:03:23	बुध	08/05/2028
मंगल	12/02/2028	21:17:17	कन्या व	बुध व	मिथु	04:53:15	केतु	26/05/2029
राहु	01/03/2029	21:30:02	मिथु	गुरु	वृष	28:36:48	शुक्र	26/05/2032
गुरु	05/02/2030	11:29:13	कन्या	शुक्र	मेष	09:36:42	सूर्य	20/04/2033
शनि	17/03/2031	20:37:27	वृष व	शनि	वृष	12:29:28	चन्द्र	19/10/2034
बुध	13/03/2032	05:11:48	मिथु व	राहु	मिथु	12:30:14	मंगल	07/11/2035
		05:11:48	धनु व	केतु	धनु	12:30:14		
		27:05:03	मक व	हर्ष व	कुंभ	00:54:47		
		12:06:58	मक	नेप व	मक	14:40:09		
		19:31:34	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:53:58		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

छममंतरं श्रवीप का वर्ग सर्प है तथा Pooja Joshi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छममंतरं श्रवीप और Pooja Joshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छममंतरं श्रवीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छममंतरं श्रवीप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल छममंतरं श्रवीप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pooja Joshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छममतंर श्रवीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छममतंर श्रवीप तथा Pooja Joshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

